उर्दू अखबारों की सुर्खियाँ

दिनांक : 2 जुलाई 2010

(उर्दू में प्रकाशित होनेवाले राष्ट्रीय समाचारपत्रों की विस्तृत खबरें एवं आलेख हिन्दी में पढ़ने के लिए कृपया डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी शोध अधिष्ठान की वेबसाइट www.indiannationalism.org पर लॉग ऑन करें।)

हमारा मकसद (रोजनामा)

दिल्ली, 29 जून 2010

http://hamaramaqsad.com/29_06_2010/page_5_big.htm

समाज को बांटने के लिए राजनीतिक जमाअते और रहनुमा जिम्मेदार–सिराजुद्दीन कुरैशी

नई दिल्ली (एयूएस)। इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर और नोबल एजुकेशन के अध्यक्ष सिराजुद्दीन कुरैशी ने सियासी रहनुमाओं पर आरोप लगाया कि वे अपनी सियासी रोटियां सेंकने के लिए समाज में नफरत के बीज बोते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हिन्दुस्तान की गंगा–जमुनी संस्कृति अपने आप में मिसाल थी। सदियों से जो लोग एक दूसरे से मिलकर रहे थे, वह आज साम्प्रदायिकता का शिकार बन रहे हैं। देश में इससे पहले कहीं भी फिरकापरस्ती का नामोनिशान तक नहीं था। वोट की सियासत आज देश की दो बड़ी कौमों को एक दूसरे के विचारों को शक व शुबहात में डाल दिया है। फिरकापरस्ती का यह जहर उस वक्त हिन्दुस्तानी सियासत और भाईचारे में शामिल हुआ जब सियासी जमाअतों ने अपने धर्म को अपने उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करना शुरू किया।

राष्ट्रीय सहारा (रोजनामा)

दिल्ली, 30 जून 2010

http://www.urdusahara.net/roznama/arcroznama.aspx?btype=2&arcdt=06/30/2010

बाबरी मस्जिद विवाद के लिए एक्शन कमेटी जिम्मेदार : अशोक सिंघल

अयोध्या (यूएसआई)। विश्व हिन्दू परिषद् ने आरोप लगाया है कि बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के सहयोग न करने की वजह से श्रीरामजन्मभूमि बाबरी मस्जिद विवाद का हल समझौते के द्वारा नहीं हो सका। विहिप अध्यक्ष अशोक सिंघल ने एजेंसी से एक विशेष इंटरव्यू के दौरान बताया कि परिषद चाहती थी कि मंदिर–मस्जिद के विवाद का हल बातचीत के जरिये निकल आये।

सिंघल ने कहा, मुझे मालूम हुआ है कि केन्द्र सरकार की पहल पर कुछ लोग फिर से समझौते की कोशिश में लग गये हैं और मध्यस्थताओं ने अयोध्या में मस्जिद बनवाने का प्रस्ताव पेश किया है। श्री सिंघल ने चेतावनी दी है कि विहिप किसी भी हाल में अयोध्या में मस्जिद नहीं बनने देगी, इसके लिए पार्लियामेंट से सड़क तक जद्दोजहद की जाएगी। उन्होंने कहा, बाबरी मस्ज़िद एक्शन कमेटीवालों के पास समझौते के काबिलेअमल दलील नहीं है।

मुम्बई टाइम्स (रोजनामा)

मुम्बई, 1 जुलाई 2010

http://www.urdutimes.in/

हिन्दुस्तान सिर्फ़ हिन्दुओं का देश– हिन्दू महासभा के वकीलों का दावा

लखनऊ। बाबरी मस्जिद मालिकाना मुकदमे में हिन्दू महासभा के वकील हरिशंकर जैन ने अपनी बहस में यह मुद्दा उठाया कि हिन्दुस्तान हिन्दुओं का देश है, इसलिए यहां के हिन्दुओं को यह हक़ हासिल है कि वह आज़ादी से पहले की उन तमाम इबादतगाहों पर दोबारा कब्जा हासिल करें, जिनसे हिन्दुओं को बेदखल कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि अन्तरराष्ट्रीय कानून के तहत तमाम मुद्दे और उपासनागृह हिन्दुओं को मिलने चाहिए और इस सिलसिले में अदालत को भी हिन्दुओं के हक में फैसला करना चाहिए।

हरिशंकर जैन ने कहा कि सांस्कृतिक धरोहर की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। इस बात पर फाजिल बंच ने हरिशंकर जैन से पूछा कि सांस्कृतिक धरोहर की बहाली का हक़ क्या सिर्फ़ हिन्दुओं को हासिल है? या फिर देश में रहनेवाले दूसरे धर्मों को माननेवालों को भी हासिल है। इस पर रविशंकर जैन ने कहा कि यह हक़ सिर्फ़ हिन्दुओं को हासिल है; क्योंकि हिन्दुस्तान सिर्फ़ हिन्दुओं का देश है। उन्होंने अपनी बहस खत्म करते हुए कहा कि अदालत की जिम्मेदारी है कि वक्त और परिस्थितियों को सामने रखते हुए मुकदमे का फैसला हिन्दुओं के हक़ में करे।

इन्कलाब (रोजनामा)

मुम्बई, 3 जुलाई 2010

http://www.inquilab.com/

नीतीश की मुखालफत के बावजूद मोदी बिहार की चुनावी मुहिम में

अहमदाबाद। भाजपा व जदयू के बिहार प्रमुखों की पटना में साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस के ठीक अगले दिन दोनों दलों में फिर तल्ख बयानबाजी से गठबंधन में खटास बढ़ने के संकेत हैं। भाजपा महासचिव व बिहार प्रभारी अनंत कुमार ने नरेंद्र मोदी को पार्टी का स्टार प्रचारक करार दिया और बिहार में चुनाव प्रचार का न्योता दिया है। इस पर जदयू फिर बिफर उठा है। जदयू प्रवक्ता शिवानंद तिवारी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने भाजपा को गठबंधन राजनीति की याद दिलाते हुए जानबूझकर तमाशा खड़ा करने का आरोप लगाया है। अहमदाबाद में पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में गए अनंत कुमार ने कहा कि 'मोदीजी, कृपया बिहार आइए। आप वहां प्रचार कर भाजपा के झंडे को ऊंचाई पर ले जा सकते हैं।' अनंत कुमार ने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उनको पार्टी की बिहार इकाई के प्रभारी होने के नाते भेजा है।

कुमार ने मोदी की तारीफ में आगे कहा, 'मुझे महसूस होता है कि वह चाहे बेंगलुरू हो या बनारस, बलिया हो या बिहार, हम उन्हें प्रचार के लिए बुलाते हैं। वह हमारे नेता हैं।' अनंत कुमार के बयान का जदयू ने तीखे शब्दों में प्रतिकार किया। प्रवक्ता शिवानंद तिवारी ने कहा कि 'एक पार्टी के शासन के दिन लद गए। गठबंधन आज की सच्चाई है। भाजपा आखिर अड़ क्यों रही है ? वह बिहार में तमाशा किसलिए कर रही है ?'

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि दोनों पार्टियों का रवैया जानाबूझा है और उसका मकसद अपने–अपने वोट बैंक महफूज करना है। एक तरफ जहां नीतीश कुमार बिहार में भाजपा की चुनावी मुहिम में मोदी और वरुण गांधी की शमूलियत की मुखालफत करके मुसलमानों के वोटों को अपने हक में यकीनी बनाना चाहते हैं तो वहीं भाजपा मोदी को अपने चुनावी मुहिम में उतारने की जिद करके हिन्दू वोट बैंक महफूज रखना चाहती है।

मुंसिफ (रोजनामा)

हैदराबाद, 3 जुलाई 2010

http://www.munsifdaily.com/epaper/3july/pages/page4/news5.html

कश्मीर समस्या का राजनीतिक हल ज़रूरी : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कश्मीर समस्या के राजनीतिक हल निकालने की बात ऐसे वक्त में कही जबकि मुसलसल 5 दिन से कश्मीर में हिंसा की घटना पेश आ रही है। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर के लोगों की उम्मीदों को सिर्फ़ विकास, एक अच्छी सरकार और आर्थिक पैकेजों से पूरा नहीं किया जा सकता। इसके लिए राजनीतिक हल ज़रूरी है। हम सभी लोगों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर जम्मू–कश्मीर के लोगों की उम्मीदों के अनुरूप उस हल को खोजना है, जो राज्य में हमेशा के लिए अमन बहाल कर सके। कश्मीर समस्या के हल के लिए भारत–पाक वार्ता और केंद्र व राज्य में विभिन्न विचाराधारा के लोगों के बीच बातचीत लायक माहौल तैयार करने में हमें मिलकर सहयोग करना है।

उमर ने कहा कि हम राज्य में स्वायत्तता बहाली के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन मैं कई बार दोहरा चुका हूं कि अगर कश्मीर समस्या का इससे कोई और बेहतर हल, जो स्थानीय लोगों की उम्मीदों को पूरा करते हुए भारत–पाक को स्वीकार्य है, तो हमारी सरकार उसके खिलाफ भी नहीं है। मैं जम्मू–कश्मीर के युवाओं की आकांक्षाओं को समझता हूं। मैं यकीन दिलाता हूं कि मेरी सरकार केंद्र सरकार के साथ मिलकर उनकी समस्याओं विशेषकर बेरोज़गारी को सुलझाने पर काम कर रही है। मैं हमेशा शांति का पक्षधर हूं। किसी भी स्थिति में किसी की भी मौत मेरे लिए हमेशा दुःखद है और नौजवानों की मौत मेरे लिए सबसे ज़्यादा दुखःदायी है। कश्मीरी अवाम मेरे शरीर का हिस्सा है। वह मेरा अपना मांस और लहू है। उनकी सुरक्षा मेरी जिम्मेदारी है। मैं इस मौके पर आम लोगों की सुरक्षा और अमन बहाली का यकीन दिलाते हुए यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि अपने सियासी फायदे के लिए हिंसा भड़कानेवाले निहित स्वार्थी तत्त्वों को न सिर्फ़ बेनकाब किया जाएगा बल्कि उनके साथ सख्ती से भी निपटा जाएगा। मुझे पूरी उम्मीद है कि हम सभी मिलकर कश्मीर में अमन बहाल करते हुए उसका खोया गौरव बहाल करने में कामयाब होंगे। हम सभी को सुख–समृद्धि से भरपूर नया कश्मीर के ख्वाब को हकीकत में बदलने के लिए मिलकर चलना होगा।